ओजक्षय

एचआईवी/एड्स
(एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिसिएंसी सिण्ड्रोम)

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

महानिदेशक
केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्,
जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी अनुसंधान भवन,
61-65 संस्थानिक क्षेत्र, 'डी' ब्लाक के सामने, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
फोनः +91-11-28525520 / 28524457, फैक्सः +91-11-28520748
ई–मेल : dg-ccras@nic.in / ccras_dir2@nic.in
वेबसाइट : www.ccras.nic.in / www.indianmedicine.nic.in

© **सी.सी.आर.ए.एस.** 2014
यह दस्तावेज केवल प्रचार, प्रसार एवं वितरण हेतु तैयार किया गया है, व्यावसायिक उपयोग के लिए नहीं। इस सामग्री का पुनरूपयोग सी.सी.आर.ए.एस. से अनुमति लेने के बाद ही किया जा सकता है।

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्
आयुष मंत्रालय
(आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)
भारत सरकार

एचआईवी/एड्स क्या है ?

एचआईवी/एडस का कारण एचआईवी–1 एवं एचआईवी–2 वाइरस है जो मानवीय प्रतिरोध क्षमता में अभाव लाते हैं। प्रतिरोध प्रणाली की क्षति करना है तथा विभिन्न उलझनों को पैदा करता है। आयुर्वेदिक साहित्य में ओजक्षय/बलक्षय के रूप में इसका उल्लेख है।

इसके संचारण के क्या कारण है ?

मानवीय प्रतिरोध क्षमता का अभाव एचआईवी के कारण सम्भव है। यह संक्रमित व्यक्ति के माध्यम से दूसरों में निम्न कारणों से फैल सकता हैः

- अंसरक्षित यौन
- संक्रमित रक्त–अध्यन करना
- शिशु को स्तन पान के माध्यम से
- संक्रमित सूई से
- आरोपित करना (गर्भाधान के दौरान)

इसकी विशेषताएं क्या है ?

तीक्ष्ण एचआईवी लक्षण	चिरकालिका एचआईवची लक्षण/एडस	कुछ सामान्य जटिलताएँ
• बुखार	• सेबोरहिक डरमेटिटीज	कपोसिस सरकोमा
• अस्वस्थ्यता	• मुखीय/हेयर ल्यमकोपलाकिआ	हरपिस जाष्टर का बारबार होना
• लिमफेडीनोपथी	• मुखीय/ग्रसिका मुखपाक	न्युरोपैथी
• सोर थ्रेट	• एपथोस अल्सर	क्षयरोग
• पीड़का	• हरजिस जोष्टर	साइटोमेगालोविरल रेटिनीटीस
		न्यूमोसिस्टिक करनील निमोनिया

एक ज्ञात इचआईवी व्यक्ति जिसका सीडी–4–200 से नीचे है अथवा अन्य विशिष्ट अवस्था जैसे क्षय रोग बारबार बैकटोरिया के कारण निमोनिया अथवा ग्रीवा कैन्सर एड्स के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

निवारण उपाय क्या है ?

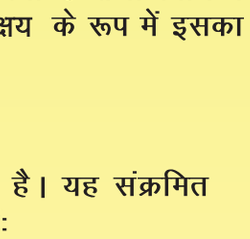

- असुरक्षित यौन की उपेक्षा करें।
- एक के साथ विश्वासभाजक बने रहें।
- अन्तक्षेपक एक बार से ज्यादा सुई का प्रयोग न करें।
- रक्त संचारण से पूर्व रक्त के नमूनों की जाँच कर लें।
- एचआईवी पॉजीटिव माताओं को चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए।

प्रतिबल व्यवस्था

सद्वृत्त/आचार रसायन (आयुर्वेदिक संकेत में सदाचार)

1. आध्यात्मिक जीवन बितायें।
2. बड़ों का आदर करें/पूजा करें।
3. स्वच्छता बनाऐं रखें।
4. अधिक कार्य की उपेक्षा करें।

मनोवैज्ञानिक सलाह/विचार–विमर्श।

आयुर्वेदिक सुझाव

लक्षण	निरूपण सुझाव*
वजन कम होना *(कृशता)*	अश्वगंधा चूर्ण, आमल की रसायन, च्यवनप्राश, अवलेह।
डायरिया *(अतिसार)*	संजीवनी वटी, कुटज धनवटी, दाड़ीमाष्टक चूर्ण जातिफलादि चूर्ण
बुखार *(ज्वर)*	शनशमनीवटी, षडंग, पानिय, आयुष–64
कफ *(खांशी)*	सितोपलादि चूर्ण, लक्ष्मीविलास रस, द्राक्षारिष्ट, कंटकारी अवलेह व्योषादी वटी
सम्पूर्ण शरीर में खुजलाहट *(त्वक कंडु)*	पंचनिम्ब चूर्ण, हरिद्राखंड, खदिरारिष्ठ
स्वेद रोग (लसीका ग्रन्थी सोथ)	कंचनार गुग्गुल
क्षुधा की कमी (अरूचि)	दाड़ीमाष्टक चूर्ण, हिंगवाष्टक चूर्ण, लसुनादि वटी, चित्रकादि वटी, द्राक्षारिष्ट
रात्रि स्वेद (रात्रि स्वपन)	चन्दनासव गुडुचि सत्व
मुखीय पाक (मुख पाक)	त्रिफला काढ़ा, इरिमदाडि तेल एवं खदिरादि वटी से गरारे करना

उपचार के दौरान योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श करें।

जीवन गुणवत्ता सुधार हेतु आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी औषधिः

आमलकी (एम्वेलिका ओफिसिनेलिस) इम्युनोमोडुलेटर, प्रति–ओक्सीकारक से शरीर के वजन में वृद्धि होती है।	फल, छाल	
हरितकी (तरमिनोलिया चुबेला) इम्युनोमोडुलेटर	फल, छाल	
गुडुची (टिनोसपोरा कोडिफोलिआ) संक्रमण के विरूद्ध इम्युनोमोडुलेटर संरक्षण करती है।	मूल	
यष्टिमधु (ग्लाइसिरहिजाग्लाबरा) प्रतिरोध नियन्त्रक एचआईवी प्रतिरोधी क्रिया इमूयूनोस्टीमुलेन्ट	मूल	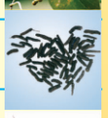
पिप्पली (पिपर लोंगम) प्रतिरोधी नियन्त्रक	फल	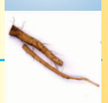
शतावरी (असपंरागस रेसिमोसस) प्रतिरोधी नियन्त्रक	मूल	
अश्वगंधा (विथानिया सेमनिफेरा) प्रतिरोधी नियन्त्रक, प्रति–प्रबल आयोजक	मूल	
तुलसी (ओसिमम सेंकटम) प्रतिरोधी नियन्त्रक, प्रतिवायु, प्रति–प्रबल	सम्पूर्ण	
पुनर्नवा (बाइरहोइविया डिफ्फूसा) प्रतिरोधी नियन्त्रक प्रति–वायु जीवाणु प्रतिरोधी	मूल	
द्राक्षा (विटिस विनिफेरा)	फल